संपादक का नोट

इस हर्षित महीने में आप सभी को मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम से नमस्कार करती हैं। अपने परिवार में आने वाले नए साल में यह आनंद जारी रहे।

एक विजयी जीवन का मार्गदर्शन करने के लिए और प्रभु को आपके जीवन में एक महान काम करने के लिए हमें शक्ति के साथ हमारे दिमाग को मजबूत करना चाहिए। प्रेरित पौलुस विश्वासपूर्वक कहता है फिलिप्पियों 3:13,14 ''13 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ। 14 निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।''

युद्ध में जाने से पहले दाऊद ने खुद को कपड़े से लपेटा नहीं, लेकिन उसे ऐसा महसूस हुआ की प्रभु का हाथ उसे ताकत के साथ लपेट रहा है। भजन संहिता 18:39 ''क्योंकि तू ने युद्ध के लिये मेरी कमर में शक्ति का पटुका बान्धा है; और मेरे विरोधियों को मेरे सम्मुख नीचा कर दिया।''

प्रभु न केवल आपकी कमर बांध रहे हैं बल्कि आपको आत्मारिक ताकत भी दे रहे हैं। हां, पवित्र आत्मा आपको आत्मारिक ताकत देता है और आपकी कमर को बांध्ता है।

85 वर्षीय कालेब प्रसन्नतापूर्वक कहते हैं: मुझ में आज भी उतना ही बल है जितना उस दिन था जब मूसा ने मुझे भेजा था । युद्ध करने तथा भीतर–बाहर आने–जाने के लिए जितना सामर्थ्य उस समय मुझ में था उतना आज भी है।

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, हमारे शरीर कमजोर हो जाते हैं, और ये स्वाभाविक है। कई प्रकार की बीमारियां हमें असर कर सकती हैं। हम डॉक्टरों और दवाओं पर अधिक पैसा खर्च करते हैं। परन्तु जब हमारा प्रभु हमें अपनी ताकत में रखता है, तो आपको नई ताकत मिलेगी, आप उकाबों की नाईं उड़ेंगे, आप दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

जब प्रभु हमें स्वास्थ्य और शक्ति देता है यह बहुत खास है।

मेरी सेवा में मेरी दो बहनें हैं वे 70 वर्ष से अधिक आयु के हैं और फिर भी उनकी ताकत उसी तरह की है जब वे मुझसे 15 साल पहले समय सभा में शामिल हुए थे। प्रभु उन्हें आशीर्वाद दे।

प्रभु ने हमें अपनी स्वर्गीय ताकत देने का वादा किया है। प्रेरितों के काम 1:4 ''ओर उन से मिलकर उन्हें आज्ञा दी, कि यरूशलेम को न छोड़ो, परन्तु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो, जिस की चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो।''

यीशु चाहते है की हमें पवित्र आत्मा प्राप्त हो। लूका 24:49 ''और देखो, जिस की प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उस को तुम पर उतारूंगा और जब तक स्वर्ग से सामर्थ न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो।''

जब इस्राएली मिस्र में 430 वर्षों के लिए बंधन में थे, तो मूसा इस्राएलियों को बंधन में छुड़ाने में व्यस्त था; उसके बड़े भाई हारून उसके साथ थे। उन दोनों को मिरियम नाम की एक बहन थी। वह केवल प्रशंसा और स्तुति नहीं करती थी, वह एक भविस्यादकता भी थी। जो माता ने इन बच्चों को जन्म दिया वो योकेबेद थी। योकेबेद का अर्थ 'प्रभु को सम्मान और प्रशंसा प्रदान करना' है। अपने निजी जीवन में आपको प्रभु की प्रशंसा करना और उसे महिमा और सम्मान देना है। योकेबेद जो मिस्र में पैदा हुई थी लेवी के जनजाति से थी। लेवीय हमेशा प्रभु के लिए जोशीले थे और प्रभु के लिए उसी उत्साह में योकेबेद ने अपने तीनों बच्चों हारून, मूसा और मिरियम की परवरिश की थी। हालांकि योकेबेद का जन्म मिस्र में हुआ था, लेकिन मिस्रियों के कोई गुण उसमे नहीं था, और न ही उसे मिस्र में प्रचलित कोई भी अशुद्धता थी।

मेरे प्रियजनों, भले ही आप इस दुनिया में रहते हैं, लेकिन आप इस दुनिया से अलग हो चुके हैं ताकि आप एक पवित्र जीवन जिए, इसलिए पवित्र जीवन जीते रहे। जब यीशु सेवा कर रहे थे तो एक स्त्री ने ऊंचे शब्द से कहा, धन्य वह गर्भ जिस में तू रहा; और वे स्तन, जिनसे तेरा पोषण हुआ। लूका 11:27 ऐसा हुआ की जब वह ये बातें कह ही रहा था तो भीड़ में से किसी स्त्री ने ऊँचे शब्द से उस से कहा, धन्य है वह गर्भ जिसमें तू रहा और वे स्तन जिनसे तेरा पोषण हुआ ।

उसी तरह, योकेबेद ने तीन बच्चों को जन्म दिया और उसने उन्हें यहोवा के काम के लिए तैयार किया।

यहोवा ने इस्राएलियों के आगे इन तीनों बच्चों के बारे में गवाही दी। मीका 6:4 ''मेरे विरुद्ध साक्षी दे! मैं तो तुझे मिस्र देश से निकाल ले आया, और दासत्व के घर में से तुझे छुड़ा लाया; और तेरी अगुवाई करने को मूसा, हारून और मरियम को भेज दिया।''

तो प्रियजनों, इस क्रिसमस के समय और आनेवाले नए साल में, आप और आपके बच्चे प्रभु से आशीर्वाद पाएं और आपके बच्चे प्रभु द्वारा उपयोगी हों। यह प्रभु का सबसे बड़ा आशीर्वाद आपको क्रिसमस के समय में मिल सकता है।

प्रभु करे आप सब को आशीर्वाद मिले।

एक खुश और धन्य क्रिसमस हों। मैं आने वाले नए साल में इन स्तंभों के माध्यम से आपसे फिर से मुलाकात होगी।

मेरे प्रभु की सेवा में,

पास्टर सरोजा

इम्मानुएल – प्रभु हमारे साथ हैं!

मत्ती 1:23 ''कि, देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिस का अर्थ यह है ''परमेश्वर हमारे साथ''।'' आइए हम पढ़ते हैं, यशायाह 7:14 ''इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो, एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानूएल रखेगी।'' लोग इस पृथ्वी पर यीशु मसीह के जन्म के लिए 4000 वर्षों तक इंतजार कर रहे थे। यीशु मसीह इस दुनिया में अपने शारीरिक रूप में आए थे और 'वचन' को इस दुनिया में लाया गया था, उसके माध्यम से। इस प्रकार, 4000 साल पहले इस दुनिया के लोगों को परम पिता ने क्या वादा किया था, यीशु मसीह के जन्म के साथ इस दुनिया में आए। यीशु मसीह ने इस दुनिया में आशीष और खुशी ले आए, क्योंकि उनके नाम में कई गुण छिपे हुए थे जैसे की .. मसीहा, यीशु, उद्धारक आदि। अलग–अलग तरीकों से इस दुनिया के लोगों को 'उनके ताकतवर नाम' के माध्यम से आशीर्वाद मिला। इन सबसे ऊपर, 'इम्मानुएल' नाम जिस का अर्थ यह है ''परमेश्वर हमारे साथ'' है, यह सभी मानव जाति के लिए सबसे बड़ा वादा है। नाम 'इम्मानुएल' हमारे जीवन में कई आशीष लाता है, यह उसकी अनुग्रह, दया, प्रेम लाता है, उसकी छाया हमारे ऊपर है, जब प्रभु यीशु हमारे साथ है कोई फरीसी या सदूकियों हम पर एक उंगली उठा नहीं सकते हैं। इस प्रकार, जब 'इम्मानुएल' लोगों के बीच होते है, तो वे अपने जीवन में इस महान आशीष के कारण आत्म विश्वासी होते है। आइए हम पढ़ेंगे यहोशू 1:5 ''तेरे जीवन भर कोई तेरे साम्हने ठहर न सकेगा; जैसे मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे संग भी रहूंगा; और न तो मैं तुझे धोखा दूंगा, और न तुझ को छोडूंगा।'' 'इम्मानुएल' का अर्थ 'प्रभु हमारे साथ है', इस प्रकार प्रभु ने यहोशू से वादा किया था, कि वह जिस प्रकार मूसा के साथ था, उसी तरह वह उसके साथ भी रहेगा। हां, वही प्रभु हमारे साथ है, वह विफल नहीं होगा और नाही हमें कभी त्यागेगा। मत्ती 28:20 ''और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।'' जब प्रभु हमारे साथ हैं, तो वह हमारे साथ वादा करते है कि वह हमारे साथ दुनिया के अंत तक रहेंगे। इस प्रकार 'इम्मानुएल' नाम, एक आशीषित नाम है, जिसे हमें दिया गया है। आइए हम अब इब्राहीम के आशीष के बारे में देकते है जो प्रभु ने दिया, जब उसने प्रभु की आज्ञा का पालन किया। उत्पत्ति 22: 16–18 ''16 यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं, कि तू ने जो यह काम किया है कि अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा; 17 इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा; और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण, और समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगिनित करूंगा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी होगाः 18 और पृथ्वी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगीः क्योंकि तू ने मेरी बात मानी है।'' प्रभु हमेशा इब्राहीम के साथ था, इब्राहीम भी प्रभु के हर वचन के लिए आज्ञाकारी था, क्योंकि उसी कारण हम देखते हैं कि यह महान आशीर्वाद इब्राहीम के जीवन में आया था। इस प्रकार हमारे प्रभु का नाम 'इम्मानुएल' जिसका अर्थ है 'प्रभु हमारे साथ है', हमारे हर एक के जीवन

में भी आशीष लाता है। प्रभु का वादा दुनिया के अंत तक और पीढ़ियों तक आने के लिए अच्छा है। परमेश्वर ने इसहाक को भी आशीष दी और उस बीज को सौ गुना अधिक समृद्ध किया जिसे उसने बोया। क्यों इसहाक समृद्ध हुआ ? क्योंकि परमेश्वर 'इम्मानुएल' उसके साथ था, इसहाक ने बीज बोया और प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया और उसे समृद्ध किया। उत्पत्ति 26 : 24–28 ''24 और उसी दिन यहोवा ने रात को उसे दर्शन देकर कहा, मैं तेरे पिता इब्राहीम का परमेश्वर हूं; मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूं, और अपने दास इब्राहीम के कारण तुझे आशीष दूंगा, और तेरा वंश बढ़ाऊंगा 25 तब उसने वहां एक वेदी बनाई, और यहोवा से प्रार्थना की, और अपना तम्बू वहीं खड़ा किया; और वहां इसहाक के दासों ने एक कुआं खोदा। 26 तब अबीमेलेक अपने मित्र अहुज्जत, और अपने सेनापति पीकोल को संग ले कर, गरार से उसके पास गया। 27 इसहाक ने उन से कहा, तुम ने मुझ से बैर करके अपने बीच से निकाल दिया था; सो अब मेरे पास क्यों आए हो? 28 उन्होंने कहा, हम ने तो प्रत्यक्ष देखा है, कि यहोवा तेरे साथ रहता हैः सो हम ने सोचा, कि तू तो यहोवा की ओर से धन्य है, सो हमारे तेरे बीच में शपथ खाई जाए, और हम तुझ से इस विषय की वाचा बन्धाएं।'' यहाँ हम देखते हैं कि प्रभु इसहाक के साथ थे, वह भी आशीषित हुआ। यहां तक कि उनके दोस्तों और परिवार भी उनके साथ एकजुट हुए, क्योंकि उन्होंने भी यह सुना कि 'प्रभु इसहाक के साथ थे'। हमारा प्रभु हमें अपनी जिंदगी में इस तरह विश्वास दिलाता है, कहते हुए कि 'प्रभु हमारे साथ हैं' इस प्रकार, जब प्रभु हमारे साथ हैं, हम भी प्रभु से ऐसे आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। याद रखें, जब प्रभु अपने लोगों के साथ हैं, तो वे लोग धन्य बन जाते हैं। उनकी जिंदगी गवाही का जीवन बन जाता है, उनके चारों ओर के लोग देख सकते हैं और उन्हें कह सकते हैं कि ''हमें यकीन है कि प्रभु आपके साथ हैं। हां, प्रभु ने हमें वादा किया है कि वह दुनिया के अंत तक हमारे साथ रहेगा। आइए हम याकूब के जीवन को भी देखें उत्पत्ति 28:15 ''और सुन, मैं तेरे संग रहूंगा, और जहां कहीं तू जाए वहां तेरी रक्षा करूंगा, और तुझे इस देश में लौटा ले आऊंगाः मैं अपने कहे हुए को जब तक पूरा न कर लूं तब तक तुझ को न छोडूंगा।'' यहां हम देखते हैं कि कैसे परमेश्वर पिता ने हर वचन को पूरा किया जो वादा किया था। यहाँ हम देखते हैं कि कैसे प्रभु ने याकूब के जीवन में खुशी का रास्ता बना दिया। उसी परमेश्वर ने यह भी वादा किया है कि वह 'इम्मानुएल' दुनिया के अंत तक हमारे साथ रहेगा। प्रभु ने इब्राहिम को अलग तरह से आशीषित किया, इसहाक को अलग, अब हम देखते हैं कि याकूब की जिंदगी अलग तरह से आशीषित है। प्रभु हमारे जीवन में भी अलग–अलग तरीकों से काम करता है। हम में से प्रत्येक को एक अलग तरीके से प्रभु के आशीर्वाद की जरूरत है। कुछ को नम्र होने की जरुरत है; कुछ लोगों के अन्य इच्छाएं होंगी, प्रभु के लिए प्यार। याद रखें, प्रभु अलग–अलग जिंदगी में अलग–अलग काम करता है, इस प्रकार जब प्रभु हमारे साथ हैं, हमारी जीत भी उसी से ही आएगी। अब हम यूसुफ की जिंदगी देखेंगे, जब 'इम्मानुएल' का अर्थ ' प्रभु हमारे साथ है', हमारे जीवन में जो कुछ भी हो, हम सभी में विजय प्राप्त करेंगे जो हम करते हैं, जब हम मानते हैं कि 'प्रभु हमारे साथ है' हम पढ़ते हैं उत्पत्ति 39:23 ''बन्दीगृह के दरोगा के वश में जो कुछ था; क्योंकि उस में से उसको कोई भी वस्तु देखनी न पड़ती थी; इसलिये कि यहोवा यूसुफ के साथ थाय और जो कुछ वह करता था, यहोवा उसको उस में सफलता देता था।'' हम प्रभु के लिए जो भी करते हैं, उसके लिए एकात्मकता और एकता होना चाहिए। जब हम बाइबिल की अलग अलग पुस्तकों उत्पत्ति, निर्गमन, शमूएल, इतिहास में पढ़ते हैं, जब लोग युद्ध में जाते हैं, उनमें से कुछ अपने परिवार, कुछ झुंड, कुछ अपनी संपत्ति के बारे में सोचते हैं।

इस प्रकार वे युद्ध हार जाते हैं, इस प्रकार प्रभु उन्हें कहते है ''जिसका दिल उनके परिवार, झुंड और धन पर है युद्ध में नहीं जा सकते''। इस प्रकार इस्राएलियों अपना युद्ध हार गए। आज भी, हमारा जीवन समान है, अगर हमारे जीवन में कोई एकात्मकता और एकता नहीं है, तो हम जीवन की परीक्षा में असफल हो जाएंगे।

शत्रु एक सभा में भी मंडली को नीचे लाने के लिए कमजोर को चुनता है। इस प्रकार, हमारे पास जीवन के युद्ध को जीतने के लिए हमेशा हमारे बीच एकात्मकता और एकता रहनी चाहिए। यहां तक कि हमारे जीवन में भी ऐसे युद्ध होंगे जो हमें काबू पाने होंगे और जीत हासिल करना होगा। यहां तक कि इस दुनिया में यीशु मसीह का जन्म, एक महान युद्ध था जिसे परमेश्वर पिता द्वारा लड़ा गया था। कितना ही शत्रु ने प्रयास किया की इस पृथ्वी पर मसीह यीशु का जन्म न होने पाए। लेकिन, यीशु का जन्म अनिवार्य था, हम मानवता को बचाने के लिए इस धरती पर यीशु का जन्म होना था। वह जानवरों के साथ एक चरनी में पैदा हुआ था। एक चरनी में अपने जन्म के बावजूद, यीशु ने जो कुछ इस दुनिया में करने के लिए भेजा गया था उसे पूरा किया, उसने दुनिया को जीत लिया। हमें भी प्रभु के लिए नम्र होना पड़ता है, जितना हम विनम्र होंगे, हम उतना ही हम अधिक आशीषें प्राप्त करेंगे। हमें फिर से पढ़ते है उत्पत्ति 39:23 ''बन्दीगृह के दरोगा के वश में जो कुछ थाय क्योंकि उस में से उसको कोई भी वस्तु देखनी न पड़ती थीय इसलिये कि यहोवा यूसुफ के साथ थाय और जो कुछ वह करता था, यहोवा उसको उस में सफलता देता था।'' परमेश्वर ने जो वादा किया था कि ''मैं तुम्हारे साथ हूं'', वही परमेश्वर ने उसे हर स्थिति में और उसके हाथ के हर काम में जीत प्रदान की। जब परमेश्वर हमारे साथ नहीं होते है, जब उसका अनुग्रह हम पर नहीं होता है, तो हमारा कोई भी काम किसी भी तरह से लाभ में नहीं होगा। परमेश्वर ने इब्राहीम से वादा किया था कि उनकी पीढ़ियां आकाश में सितारों की तरह होंगे, परमेश्वर ने इब्राहीम के जीवन में यह वादा पूरा किया। प्रभु इसहाक के साथ थे, इस तरह उसने जो बोया उसमे सौ गुणा पाया। याकूब परमेश्वर द्वारा आशीषित था, इस प्रकार वह उस देश में लौट गया जहाँ से प्रभु ने उसे लाया। कैद होने के बावजूद यूसुफ, प्रभु ने उसके हाथ के हर काम को आशीर्वाद दिया और उसे समृद्धि और जीत प्रदान की। इस प्रकार यूसुफ को उस स्थान का प्रमुख बनाया गया था। याद रखें जब परमेश्वर हमारे साथ है, हम अपने सभी इम्तिहानो में विजय प्राप्त करेंगे। कल्पना कीजिए अगर प्रभु इब्राहिम, इसहाक, याकूब, यूसुफ के साथ नहीं होते, तो उनके जीवन में क्या होता? हमारे जीवन में भी 'इम्मानुएल' को पहचानना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम उसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं और उसे अपने साथ रख सकते हैं? हम उसके द्वारा आशीष कैसे प्राप्त कर सकते हैं? हमारे लिए 'इम्मानुएल' को जानना और उसके साथ जुड़ना बहुत महत्वपूर्ण है। आइए देखें कि कैसे दाऊद ने परमेश्वर से आशीषों को पाया भजन संहिता 16:8 ''मैं ने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख रखा हैः इसलिये कि वह मेरे दाहिने हाथ रहता है मैं कभी न डगमगाऊंगा।'' दाऊद ने हमेशा अपने सामने किया हर चीज में परमेश्वर को रखा और कहा। इस प्रकार प्रभु उसके दाहिनी ओर हमेशा रहता था इस प्रकार प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया। जब परमेश्वर हमारे दाहिने तरफ है, तो क्या हमारे जीवन में कुछ भी गलत हो सकता है? नहीं ! हम महान व्यक्ति हो सकते हैं, हम उच्च योग्यता प्राप्त कर चुके होंगे, हम ज्ञान के एक पुरुष/महिला होंगे, लेकिन जब परमेश्वर हमारे साथ नहीं है, तो हम शर्मिन्दा होंगे। कल्पना कीजिए अगर प्रभु इन सभी लोगों के साथ नहीं होते, तो उनका जीवन क्या होता ? क्योंकि परमेश्वर उनके साथ थे, हजारों सालों के बाद भी वे 'वचन' के माध्यम से रह रहे हैं। क्योंकि उन्होंने परमेश्वर को उनके आगे रखा था, क्योंकि वे अपने दाहिने हाथ की ओर परमेश्वर को रखा था, उनकी मृत्यु के बाद भी, वे वचन के माध्यम से जीवित हैं। लेकिन हमारा जीवन बेकार हैं, यद्यपि हम आज जीते हैं लेकिन हम मर चुके हैं! हम नहीं जानते कि कैसे अपने प्रभु को खुश रखें और उनके साथ अपने रिश्ते को कैसे बनाए। हमारे प्रभु कहते हैं, ''मैं तुम्हें कभी त्याग नहीं करूँगा'', इस प्रकार, यह 'हम' हैं जिन्होंने प्रभु को त्याग दिया है। हम अपने विचारों, शब्दों और कर्मों में बहुत पापी हैं, कई अलग–अलग तरीकों से हम अपने प्रभु को निचा करते हैं। दाऊद के विपरीत, जो हमेशा अपने दाहिनी ओर परमेश्वर को रखता था और उसके आगे परमेश्वर को रखता था। हर युद्ध में, वह अपने जीवन की हर कठिनाईयो में प्रभु के साथ हमेशा दृढ़ता से रहता था, दाऊद ने परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में कभी डगमगाया नहीं। भजन संहिता 23:4 ''चाहे

मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं, तौभी हानि से न डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है।'' परमेश्वर ने जो हमारे साथ रहने का वादा किया, हमारे जीवन की हर स्थिति में हमारे साथ है। हमने अय्यूब के जीवन में भी देखा है, प्रभु हमेशा उसके साथ और उनके परिवार के साथ थे और इस प्रकार वे धन्य और खुश थे। परन्तु एक दिन, परमेश्वर ने अय्यूब से खुद को अलग कर लिया, उस समय हम देखते हैं कि कैसे शत्रु ने अय्यूब के जीवन पर कब्जा कर लिया था जो आशीर्वाद से भरा था और उस से सब कुछ लूट लिया था। लेकिन अय्यूब को पता था कि उसका प्रभु उसे कभी निराश नहीं करेगा। अंत में, परमेश्वर ने न केवल अय्यूब के जीवन में जो कुछ उसने खो दिया था, उसे लौटाया बल्कि उसने अय्यूब को दो गुना आशिष भी दिया। हमें याद रखना चाहिए, परमेश्वर हमें कभी नहीं त्यागेगा, हम ही उसे छोड़ देते हैं। अय्यूब की पत्नी ने उसकी निंदा की और उससे कहा, ''अपने परमेश्वर को अभिशाप करो और मर जाओ अगर आपको चाहिए'' लेकिन फिर भी सभी विनम्रता में अय्यूब ने कहा, ''बेवकूफ महिला, क्या हमें केवल प्रभु के आशीर्वादों को स्वीकार करना चाहिए, कभी–कभी हमें सुधारा जाना चाहिए और उनके दंड को भी हमारे जीवन में स्वीकार करना चाहिए। अय्यूब को पता था कि परमेश्वर ने इस दुनिया के अंत तक उसके साथ रहने का वादा किया है, उसे कभी नहीं छोड़ेगा। अंत में, हमने देखा है कि परमेश्वर ने पहले से ज्यादा अय्यूब के जीवन में आशिष दिया और उसे इस दुनिया में सबसे खूबसूरत बेटियों से आशीर्वाद दिया। आज भी, प्रभु हमें कहता है कि ''मैं इस दुनिया के अंत तक तुम्हारे साथ रहूँगा''। इस वादे के बीच में शत्रु हमारे जीवन में दुःख ला सकता है जैसे उसने अय्यूब के जीवन में किया था। परन्तु, हमें प्रभु के लिए दृढ़ और स्थिर रहने की जरूरत है, क्योंकि अकेले हमारे प्रभु ही हमारे जीवन में जीत ला सकते हैं। हमने इब्राहीम के जीवन में देखा है, शत्रु ने उसे अपने भतीजे लूत के माध्यम से परेशान किया, लेकिन जब इब्राहीम प्रभु में दृढ़ था, प्रभु ने उसके जीवन में सब कुछ लौटाया। आज भी शत्रु हमारे परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और सभा के माध्यम से हमें तकलीफ पंहुचा सकता है। गलती तुम्हारी या हमारा नहीं है, शत्रु भूल गया है कि वह क्रूस पर हार गया था। दाऊद की तरह, हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि ''परमेश्वर का दायां हाथ हम पर है और परमेश्वर हमारे आगे है, इस तरह हम नहीं डगमगाएंगे''। प्रभु ने हमेशा हमें शत्रु की योजना पर जीत प्रदान की। याद रखें, जब प्रभु हमारे साथ है हम कभी भी डगमगाएंगे नहीं और न ही भ्रमित होंगे। हम कभी भी दुखी नहीं होंगे और न ही शर्मिंदा होंगे। लेकिन जब प्रभु हमारे साथ हैं, तो हम हमेशा हमारे जीवन में विजय प्राप्त करेंगे, क्योंकि प्रभु 'इम्मानुएल' का अर्थ 'प्रभु हमारे साथ है' हमें वादा किया है कि वह हमेशा हमारे साथ रहेगा। अय्यूब 42:10 ''जब अय्यूब ने अपने मित्रों के लिये प्रार्थना की, तब यहोवा ने उसका सारा दुःख दूर किया, और जितना अय्यूब का पहिले था, उसका दुगना यहोवा ने उसे दे दिया।'' जो अय्यूब के जीवन में सब कुछ वापस लाया था? प्रभु ने अय्यूब को दो गुना आशिष दिया जितना उस से पहले था। यहाँ, परमेश्वर शत्रु को दिखाता है कि वह अपने लोगों को कैसे आशीर्वाद दे सकते है। शत्रु हमेशा यह याद रखेगा, कि जब वह प्रभु के लोगों के किसी चीज को लूटता है, तो प्रभु उसे दो गुना आशिष देता है।

लेकिन इसके लिए, हमें यह याद रखना चाहिए कि हमें इस तरह से आशिष पाने के लिए प्रभु की परीक्षा में सफल होना आवश्यकता है। यह न केवल क्रिसमस के दौरान है कि ये आशीर्वाद जीवित रहते हैं, लेकिन यह हमारे पूरे जीवन काल के दौरान अच्छे हैं। आइए हम पढ़ते हैं यशायाह 43:2 ''जब तू जल में हो कर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में हो कर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।'' प्रभु ने वादा किया है कि वह हमारे साथ नदियों के जल में होगा, आग में होगा, हम डूबेंगे या जलेंगे नहीं। हम जानते हैं कि कुछ साल पहले जब सुनामी हुई थी, तो इस धरती पर हजारों जीवन कैसे नष्ट हुए थे। दुनिया से कितने लोग गायब हो गए। इसी

प्रकार की घटनाएं एक बार फिर हमारे जीवन काल में हो सकती हैं। इस प्रकार बाइबल कहता है, ''दो लोग होंगे, एक ले लिया जाएगा''। जो प्रभु पर विश्वास करता है वह ले लिया जाएगा और दूसरे व्यक्ति जिनके साथ परमेश्वर नहीं है, वह नरक की आग में पीड़ित होने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

इस प्रकार, हमारे लिए प्रभु के साथ हमारे रिश्ते को बनाए रखना जरूरी है। हमारे लिए प्रभु का वादा यह है कि 'मैं दुनिया के अंत तक तुम्हारे साथ हूं'। हम ही उसे छोड़ देते हैं। जो लोग प्रभु की खोज करते हैं, उसे मिल जाएगा, और जो लोग उसे खोते हैं, उसे खो देंगे। प्रभु का वचन हमारे दिल में भरना चाहिए, जिसका नाम 'इम्मानुएल' है, जिसका अर्थ 'प्रभु हमारे साथ है', हमेशा हमारे साथ होना चाहिए।

यशायाह 54:10 ''चाहे पहाड़ हट जाएं और पहाडियां टल जाएं, तौभी मेरी करूणा तुझ पर से कभी न हटेगी, और मेरी शान्तिदायक वाचा न टलेगी, यहोवा, जो तुझ पर दया करता है, उसका यही वचन है।'' परमेश्वर का वचन सच्चा और जीवित है। यह हमारे लिए नए वर्ष में परमेश्वर का वादा है। हमें पूरे वर्ष इस वादे के माध्यम से दावा करना चाहिए और प्रार्थना करना चाहिए। परमेश्वर ने हमें वादा किया था कि ''उसकी दया तुझ से नहीं निकलेगी, न ही उसकी शांति का वाचा हटा दिया जाएगा, यहोवा तुझ पर दया करेगा''। प्रभु हमें कभी निचा नहीं होने देंगे। उसने हमें प्यार किया है और इस दुनिया में आपके और मेरे लिए भेजा गया था। यशायाह 41:10 ''मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूं, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूं; मैं तुझे दृढ़ करूंगा और तेरी सहायता करूंगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे सम्हाले रहूंगा।'' प्रभु ने हमें कहता है 'डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूँ। निराश मत हो, क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ। मैं तुमको बल दूंगा और तुम्हारी सहायता करूँगा। मैं आपको अपने दाहिने हाथ के धार्मिकता से रक्षा करूँगा।' प्रभु ने हम से यह वादा किया है कि वह हमें बचाएगा और हमेशा हमें संभालेगा। इस प्रकार, जब उसने अपना स्वर्गीय राज्य छोड़ा और इस दुनिया में तुम्हारे लिए और मेरे खातिर भेजा गया, तो वह इस पृथ्वी पर अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए अपनी मर्जी से आया। अंत तक वह दृढ़ था और क्रूस पर उन्होंने अपने पिता की इच्छा को पूरा किया। आज भी, वह हमारे साथ ही है और इस प्रकार हमें डगमगाना नहीं चाहिए। भय में, हम बहुत से पाप करते हैं, हम बहुत से गलत चीजें कहते हैं। डर में याद रखें पतरस ने यीशु का तीन बार इनकार किया। भय से बहुत सारी अशुद्ध बातें आती हैं और इस तरह हम पाप करते हैं। इस प्रकार, प्रभु हमें कहते है ''डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूं'' और मत भूलो कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, ''मैं आपको अपने दाहिने हाथ के धार्मिकता से संभालूंगा।'। मैं तुम्हें बचाने का मार्ग हूं, कोई दूसरा मार्ग नहीं है, इस प्रकार मेरे पिता परमेश्वर ने मुझे इस दुनिया में भेजा है''। डर में, पतरस समुद्र में डूबने लगा, जब डर में आप के लिए प्रभु के वादे को मत भूलो। कौन हमें 'प्रभु के दाहिने हाथ' से छीन सकता है, शत्रु हमेशा हमें डर में रखेगा और हमें अपनी जिंदगी में प्रभु की मदद को भुला देगा। परमेश्वर – 'इम्मानुएल' उसे इस दुनिया में आने का कारण क्या है? हमें सब से ऊपर उठाने के लिए। आइए हम पढ़ते हैं मीका 5:2 ''हे बेतलेहेम एप्राता, यदि तू ऐसा छोटा है कि यहूदा के हजारों में गिना नहीं जाता, तौभी तुझ में से मेरे लिये एक पुरूष निकलेगा, जो इस्राएलियों में प्रभुता करने वाला होगा; और उसका निकलना प्राचीन काल से, वरन अनादि काल से होता आया है।'' यहूदा के हजारों के बीच बेथलेहेम एप्राता का स्थान बहुत ही लोकप्रिय था। कोई भी इस गांव में नहीं जाता था, लेकिन हमारे प्रभु यीशु मसीह के जन्म के साथ बेतलेहेम एप्राता में, यह जगह सभी देशों के बीच महिमा की गई थी। इस जगह में प्रकाश था, हालेलुया के गाने इस गांव में सुनाए गए थे। तब तक किसी को भी इस जगह की परवाह नहीं थी या इस जगह के बारे में कोई जानकारी। इसी तरह हमारे जीवन भी ऐसा हो सकता है कि यह एक

बेकार जीवन प्रतीत हो, लेकिन जब इम्मानुएल हमारी जिंदगी में आए और जबसे प्रभु हमारे साथ हैं, लोग हमें जानते हैं और हमें पहचानना शुरू करते हैं। हर इंसान के लिए प्रभु की इच्छा इस तरह के रूप में एक जीवन जीना है। वह चाहता है कि हम अपने जीवन में बेथलेहम एप्राता जैसे आशिष पाएं। वह हमारे जीवन को बदलना चाहता है और एक नामुमकिन जीवन को योग्य और अनमोल बनाना चाहता है। बेथलहम के अन्य नाम को 'रोटी की सभा' भी कहा जाता है उत्पत्ति 29:35 ''और फिर वह गर्भवती हुई और उसके एक और पुत्र उत्पन्न हुआ; और उसने कहा, अब की बार तो मैं यहोवा का धन्यवाद करूंगी, इसलिये उसने उसका नाम यहूदा रखा; तब उसकी कोख बन्द हो गई।'' बेथलहम और यहूदा का एक और अर्थ है 'ईश्वर की महिमा'। 'इम्मानुएल' का मतलब 'प्रभु हमारे साथ है' होने के नाते, 'वह हमारे दाहिने हाथ पर है', 'प्रभु की महिमा हो' इस सब का क्या मतलब है? आइए हम पढ़ते है यूहन्ना 15:1– 5 ''1 सच्ची दाखलता मैं हूं; और मेरा पिता किसान है। 2 जो डाली मुझ में है, और नहीं फलती, उसे वह काट डालता है, और जो फलती है, उसे वह छांटता है ताकि और फले। 3 तुम तो उस वचन के कारण जो मैं ने तुम से कहा है, शुद्ध हो। 4 तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में: जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। 5 मैं दाखलता हूं: तुम डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उस में, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।'' याद रखें, जब प्रभु हमारे साथ नहीं है, हम कुछ भी नहीं कर सकते। यह तब है जब प्रभु हमारे साथ हैं तो हम एक उपयोगी जीवन जी सकते हैं। हमारे जीवन को फलदायी बनाने के लिए, प्रभु इम्मानुएल बने और हमारे लिए पैदा हुए थे। यीशु कहते हैं, ''मैं तुम्हारी जिंदगी को फलदायी बनाने आया हूँ क्योंकि परमेश्वर ने मुझे इस दुनिया में भेजा है। यदि तुम मेरे साथ बनकर रहते हो, तुम अपने जीवन में बहुत फलदायी होगे। मेरे बिना तुम कुछ भी नहीं कर सकते।'' यह हमारे लिए एक छोटा दृष्टांत है, लेकिन एक शक्तिशाली है। अगर हम यह याद रखें, तो हमारी जिंदगी फलदायी बनाने के लिए काफी है। यह हम है जो 'इम्मानुएल' के अर्थ की गहराई को नहीं समझते हैं। प्रभु ने अपने एक ही लौते पुत्र यीशु को इस दुनिया में क्यों भेजा? उन्होंने उसका नाम 'इम्मानुएल' क्यों रखा? प्रभु ने हमें अलग–अलग तरीकों से कहा, ''जब मैं तुम्हारे साथ बनकर हूँ, तुम धन्य होगे। तुम मेरे साथ सब कुछ कर सकते हो। मैं तुमको ऊँचा और ऊँचा उठा सकता हूं''। यह हमारे लिए इस दुनिया में आने वाले प्रभु का पूरा उद्देश्य है। हममें से जिसके पास ' प्रभु हमारे साथ हैं', वे अपनी जिंदगी फलदायी रूप से जी सकते हैं। जब परमेश्वर हमारे साथ है, तो मनुष्य ऐसी चीजें कर सकता हैं जो मनुष्य की कल्पना से परे है। लेकिन जब परमेश्वर हमारे साथ नहीं है, हम कुछ भी नहीं कर सकते हैं। चलिए पढ़ते हैं गलातियों 5:22–23 ''22 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, 23 और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।'' शत्रु आत्मा के बहुत से फल लूटने आता है जैसे की ... प्रेम, आनन्द, शांति, धीरज, नम्रता, भलाई, विश्वास। इस प्रकार, जब परमेश्वर हमें आत्मा के सभी फलों के साथ आशीर्वाद देता है, कोई भी व्यक्ति इसे छीन नहीं सकता। कई परिवारों के पास सब कुछ है जो यह दुनिया दे सकता है, लेकिन उनके जीवन में कोई प्यार, खुशी और शांति नहीं है। हमारा जीवन भी इब्राहीम, इसहाक, याकूब, यूसुफ, दाऊद और अय्यूब के जीवन की तरह धन्य हो सकता है। हम बाइबल को अच्छी तरह से जानते होंगे, लेकिन अगर परमेश्वर हमारे साथ नहीं है, तो हमारे भीतर कोई फल नहीं है। अकेले प्रभु की कृपा के कारण आज, मैं प्रभु के वचन को उन लोगों की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से सिखा सकती हूं जिन्होंने सालों से बाइबल का अध्ययन किया हो और उन लोगों से जो बाइबल कॉलेज में गए हों। हां, जब परमेश्वर हमारे साथ है, हम कभी भी डगमगाएंगे नहीं या हिलेंगे नहीं। दाऊद कहते हैं, ''मैं छोटा था और अब मैं बूढ़ा हो गया हूं, लेकिन मैंने कभी परमेश्वर के लोगों को भिक मांगते नहीं देखा है''। परमेश्वर अपने लोगों को अपमानित होने के लिए कभी नहीं देगा। बाइबल में हर वचन आपके और मेरे लिए

दिया गया वचन है, इस प्रकार हमें इस वचन को हमारे दिल के करीब रखना चाहिए। जब हम प्रभु परमेश्वर को हमारे साथ रखते हैं, हम कभी भी डगमगाएंगे नहीं या हिलेंगे नहीं। हम जानते हैं कि राजा दाऊद बेतलेहेम में पैदा हुआ था, फिर यीशु मसीह का जन्म बेतलेहेम में हुआ था, इसलिए शमूएल भी बेतलेहेम में पैदा हुआ था। आइए हम वचन पढ़ते हैं, प्रभु ने शमूएल को दाऊद को बेतलेहेम के राजा के रूप में अभिषेक करने के लिए कहा। 1 शमूएल 16:1 ''और यहोवा ने शमूएल से कहा, मैं ने शाऊल को इस्राएल पर राज्य करने के लिये तुच्छ जाना है, तू कब तक उसके विषय विलाप करता रहेगा? अपने सींग में तेल भर के चल; मैं तुझ को बेतलेहेमी यिशै के पास भेजता हूं, क्योंकि मैं ने उसके पुत्रों में से एक को राजा होने के लिये चुना है।'' हमारे प्रभु ने तुम्हें और मुझे सिर्फ एक याजक, एक राजा और उसके लोग होने के लिए चुना है। यह कारण है की, प्रभु को इस दुनिया में भेजा गया था, ताकि हमें याजक, राजा और उसकी कलीसिया बन सके। प्रकाशितवाक्य 1:6 ''और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।'' यीशु ने अपने अनमोल लहू के साथ हमें क्यों धोया और हमें याजक और राजा के रूप में अभिषेक किया। ताकि हम उसके 'सुसमाचार' का प्रचार कर सकें कि ''प्रभु हमारे साथ हैं''। यीशु मसीह हमें पिता परमेश्वर के सामने एक याजक और राजा के रूप खड़ा करेगा और दावा करेगा कि हमें उसका सुसमाचार फैलाने के लिए चुने गए है। याद रखें, जब दाऊद को याद करने के लिए कोई भी नहीं था, तो प्रभु ने इस चरवाहे को याद किया और इस्राएल पर शासन करने के लिए चुना। हम पढ़ते हैं 1 शमूएल 16:13 ''तब शमूएल ने अपना तेल का सींग ले कर उसके भाइयों के मध्य में उसका अभिषेक किया; और उस दिन से ले कर भविष्य को यहोवा का आत्मा दाऊद पर बल से उतरता रहा। तब शमूएल उठ कर रामा को चला गया।'' इस प्रकार शमूएल ने अपने परिवार के सामने दाऊद को अभिषिक्त किया और प्रभु का आत्मा दाऊद पर रहा। हम भी छोटे और तुच्छ हो सकते हैं, लेकिन याद रखें कि प्रभु हमारी तरफ देख रहे हैं, जैसे प्रभु ने दाऊद को इस्राएल का राजा चुना, हम भी प्रभु के द्वारा 'एक दिन' चुने जाएंगे।

2 कुरिन्थियों 8:9 ''तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह जानते हो, कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ।'' हमारा प्रभु यीशु मसीह हालांकि वह समृद्ध था, फिर भी वह हमारे लिए और उसकी गरीबी के माध्यम से गरीब बना, हम अमीर बन गए। इसी तरह हम यीशु मसीह की गरीबी के माध्यम से और समृद्ध जीवन में भी परिवर्तन सकते हैं। हमें याद रखना चाहिए, हमारे धनी प्रभु इस दुनिया में गरीब बनकर आए, ताकि अमीर जीवन उसके लिए गरीब हो जाए और इस प्रकार हम धन्य हो जाएं मत्ती 1:21 ''वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना; क्योंकि वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा।'' प्रभु यीशु मसीह ने हमारे लिए अपना जीवन दिया है और इस तरह हमें अपने अनमोल लहू से धोया है। यिर्मयाह 1:19 ''वे तुझ से लड़ेंगे तो सही, परन्तु तुझ पर प्रबल न होंगे, क्योंकि बचाने के लिये मैं तेरे साथ हूँ, यहोवा की यही वाणी है।'' हमारे जीवन में युद्ध हर दिन होते हैं, अलग–अलग तरीकों से हमें अपने युद्ध से लड़ना पड़ता है। लेकिन, वे हमारे खिलाफ कभी भी जीत नहीं पाएंगे, क्योंकि प्रभु हमें जीत देने के लिए हमारे साथ हैं। यह 'इम्मानुएल' का अर्थ है – 'प्रभु हमारे साथ है'। अलग–अलग तरीकों से, प्रभु हमें दिखाता है कि विभिन्न प्रकार के युद्ध हैं, हर परिवार को अपने युद्ध और लड़ाई से लड़ना पड़ता है। लेकिन प्रभु हमें इन सभी युद्धों के जरिये जीत देगा, अगर हम युद्ध नहीं लड़ेंगे तो हम अन्य लोगों की तरह होंगे। इफिसियों 1:7 ''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।'' आज, प्रभु हमें यह वादा याद दिलाता है कि उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए दिया है। एक बार फिर प्रभु अपने वचन के माध्यम से हमसे बात कर रहे हैं, कि जब वह

हमारे साथ है तो हम अपने जीवन में जीत हासिल कर सकते हैं। जब 'इम्मानुएल' – 'प्रभु हमारे साथ है' हमारे साथ है, विजय हमारी है। सुच में हमारे प्रभु एक शक्तिशाली प्रभु हैं और हमारे लिए उनके वादे शक्तिशाली हैं। प्रभु ने हम पर दया की है, उनके लहू के माध्यम से उसने हमें पिता परमेश्वर 'अब्बा पिता' पुकारने के योग्य बनाया है। कुलुस्सियों 1:14 ''जिस में हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है।'' अकेले यीशु के लहू के माध्यम से हमें छुड़ाया गया और हमारे पापों की क्षमा प्राप्त होती है। 2 कुरिन्थियों 6:16 ''और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर का मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला फिरा करूंगा; और मैं उन का परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे।'' प्रभु जो 'इम्मानुएल' के रूप में आया था, जिसका अर्थ है 'प्रभु हमारे साथ हैं', कहता है ''हम जीवित परमेश्वर के मन्दिर हैं और मैं तुम में रहूंगा, तुम्हारे साथ चलूँगा, और तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा और तुम मेरी प्रजा ठहरोगे''। प्रभु की आत्मा हमारे जीवन में साहस लाता है और हमारे जीवन से डर दूर ले जाता है। हमें अपने जीवन से डर को दूर करना चाहिए। याद रखें, शत्रु हमें खत्म कर देगा अगर हम अपने भय में रहेंगे। हमें एक बार फिर शत्रु को चुनौती देने की आवश्यकता है। हमारे लिए प्रभु का वादा एक बार फिर यह है कि 'हम जीवित परमेश्वर के मंदिर हैं' आइए हम शत्रु को उस वादे से चेतावनी दें जो परमेश्वर ने दिया है, उनके बेटे यीशु मसीह 'इम्मानुएल' जिसका अर्थ है 'हमारे साथ प्रभु है'।

ऐसा हो की यह संदेश आशिष लाए हर एक के जीवन में जो इस संदेश को पढ़ता है और वास्तव में प्रभु के वादे को रखता है!

प्रभु की सेवा में,

पास्टर सरोजा म.